

- १ व्याकरण महाभाष्य - (परम्परा द्वितीय) जयगंकर लाल लिपाठी ५
 २ वैयाकरण सिद्धान्त को मुद्रा - (चारों भाग - वाल्मीकीयोग - तत्त्वज्ञान) - ५
 ३ तत्त्वज्ञान - यायकोटि लिखी सहित - १०
 ४ सरल विकोणमिति कभलाकान्त पाठ्य (लघुपुर्ण) ५
 ५ रेखागणितम् - घण्टा इष्टाय (कभलाकान्त पाठ्य) ५
 ६ रेखागणितम् - लघुपुर्ण - वाल्मीकीय पाठ्य - ५
 ७ लघुज्ञातकम् - सम्पूर्ण - ५
 ८ ज-मपत्रदीपक - विष्णुवेश्वरी प्रसाद द्वितीय - ५
 ९ साहित्य दर्शन (दोनों भाग) और राजा रेणी - ५
 १० शिशुपालवध - उथा लर्ग, द्वितीय लर्ग - २०
 ११ घन्दोमज्जरी - अथ लघुपुर्ण - २०
 १२ शुचलय चुर्चुक रुद्राप्ताइष्टाय - भाष्य सहित - २० ५
 १३ रचनात्मकाद को मुद्रा - कपिलदेव द्वितीय - २०
 १४ हिन्दी साहित्य का उत्तिहास - आचार्य रामचन्द्र शुचल - ५
 १५ " " " " - डॉ. वाल्मीकीय - ५
 १६ हिन्दी लाहित्य का संस्कृत उत्तिहास - विजयनाथ लिपाठी - ५
 १७ The New Golden Treasury - Edited by - R. C. Prasad & M. C. Tawhead - ५
 १८ The Silver Box (John Glas Worthy) with Notes by John Kempton - ५
 १९ English Grammar (Northcote) Revised by F. T. Agarwala Wood - ५
 २० ~~ग्रन्थालय~~ Windows & Application By RK Tapale - ५
 २१ श्रीमद्भगवद्गीता - लघुपुर्ण - १०
 २२ नित्यकर्म पूजा ध्वनाश्री - १०
 २३ शुचलय चुर्चुक रुद्राप्ताइष्टाय - २०
 २४ यज्ञोदय - ऐपिलीशरण गुप्त - ५
 २५ हिन्दी साहित्य के रस - छट्ठ - अलकार - ५
 २६ पर्यावरण विज्ञान - जे. एल लिवार्ड, सखा के. जाधव - ५
 २७ जयपूर्ण वध - ऐपिलीशरण गुप्त - ५
 २८ निर्मला - प्रेमपन्द - ५
 २९ हिन्दी व्याकरण - हरदेव जाहरी - ५
 ३० पर्याक्रम - रामनरेण्टा लिपाठी - ५
 ३१ निजन्धनमाला - आगा किंशोर तथा सुरेन्द्र चु. शर्मा - ५
 ३२ यज्ञोदय - ऐपिलीशरण गुप्त - ५
 ३३ काल्यमञ्जुषा - (अलकार कर्मनि. हिन्दी) - ५
 ३४ द्विदिक साहित्ये इतिहासः - ५
 ३५ आद्विक सूक्तावली - ५
 ३६ श्रुतकर्मदिव्य - ५
 ३७ पितृभलितरंडिली - ५
 ३८ कर्मकाण्ड मन्त्रार्थपुरीपः - ५

- ४७ यजमानगति - ५
- ४८ दुर्गापूजाप्रस्त्री - ५
- ४९ कालीपूजाप्रस्त्री - ५
- ५० राजकारदीपकः - ५
- ५१ पुराणदिग्दर्शनभृत् - ५
- ५२ कात्यायनभ्रोतसूत्र - ५
- ५३ अष्टवलायनभ्रोतसूत्र - ५
- ५४ आषवलायनगृह्यसूत्र - ५
- ५५ कात्यायनगुल्मसूत्र - ५
- ५६ मण्डपकुञ्जस्थिति - ५
- ५७ कुञ्जकादन्वरसी - ५
- ५८ कात्ययेष्टिदीपकः - ५
- ५९ मन्त्रकोशुदी - ५
- ६० दुर्गचिन्तस्थृतिः - ५
- ६१ वैदरम्भखालोकः - ५
- ६२ वारस्तुपूजाप्रस्त्री - ५
- ६३ लाद्यायनभ्रोतसूत्रव्याख्या - ५
- ६४ दुर्गाभर्तिरक्षिणी - ५
- ६५ विष्णुयागप्रथोगः - ५
- ६६ नित्यकृत्यरत्नभाला - ५
- ६७ वृहद्देवजरजनभृत् (सम्पूर्ण) - ५
- ६८ संकृत साहित्य का इतिहास - क्लौदिय उपाध्याय - ५
- ६९ उपन्यालोक - ५
- ७० भक्तीवरोपायनभृत् - ५
- ७१ सोमित्सुन्दरीचरित्रम् - ५
- ७२ शुद्धाराशसम् - ५
- ७३ उत्तराभ्यरित्रम् - ५
- ७४ कात्याप्रकाश - १०
- ७५ द्वारुपक - १०
- ७६ नैषधीयचरित्रम् - प्रथम सबं द्वितीय कर्त्ता - २०
- ७७ रसगांधार - ५
- ७८ भृत्यकरित्रम् - ५
- ७९ अक्ष्युपालबृद्ध - तृतीय, चतुर्थकर्त्ता - २०
- ८० हर्षचरित्रम् - १०
- ८१ लक्ष्मीवरीचरित्रम् - ५
- ८२ रघुवंशभटाकात्य - सम्पूर्ण - ५
- ८३ वाल्मीकिरामायण, (कुदरकाण), भाग - ५
- ८४ शुद्धचरित्रम् - ५
- ८५ सोन्दरनन्दम् - ५

- ७४ संस्कृत व्याकरण शास्त्र - ५
 ७५ व्यास - सम्पूर्ण - ५
 ७६ व्याकरणभाष्यम् - सम्पूर्ण - २
 ७७ काण्डिकार्यालय - सम्पूर्ण - २
 ७८ व्याकरणभूखण्ड सार - ५
 ७९ पदभवन्नरी - सम्पूर्ण - ५
 ८० वाच्यपदीयम् - (तीनों खण्ड) - ५
 ८१ भाषा विज्ञान की शुभिका - देवेन्द्र नाथ अर्जुन - ५
 ८२ भाषा विज्ञान - मोल्लानाथ तिगारी - ५
 ८३ शालकोरसुभ - ५
 ८४ पुनर्व्याख्यान - ५
 ८५ व्याकरणप्रकाशवली - ५
 ८६ अषुआष्टदेवन्दुग्रेहर - ५
 ८७ पाणिनीयव्याकरणतत्त्वपुदीय - ५
 ८८ परिभाष्टदुड़ैखर - ५
 ८९ कौमुदीमूलार्थविद्योतिनी - ५
 ९० अत्यधिकार - ५
 ९१ तत्त्वचिन्ता - ५
 ९२ गणकटरक्षिणी - ५
 ९३ आरतीयज्ञोतिष्ठ - शंकर बालकृष्ण दीप्ति - ५
 ९४ सचित ज्ञोतिष्ठ छिंगा - गणित खण्ड - नी. एस. डाकुर - ५
 ९५ सूक्ष्मिक्यद्वान्त - कपिलेश्वर शास्त्री और रामचन्द्र पाण्डित - ५
 ९६ अलंक - कलंक मुरलीधर ठक्कुर - ५
 ९७ दीर्घचृत्तब्लाष्ट - सुधाकर द्विवेदी - ५
 ९८ शिद्धान्त तत्त्वविकेक - (तीनों खण्ड) - ५
 ९९ ५ सेट चियोरि - ज्ञान - पुसाद व के के झा, गी - ५
 १०० स्पैरिकल द्विघोषेन्द्री - गोरखपुसाद - ५
 १०१ स्पैरिकल अर्द्दोमाँजी - गोरखपुसाद - ५
 १०२ अवचीन्ज्योतिविज्ञानम् - रमानाथ सहाय - ५
 १०३ आर्यभट्टीयम् - बलदेव अम्बु - ५
 १०४ शिद्धान्तशोखर - ५
 १०५ शिद्धान्तपर्णी - ५
 १०६ ज्ञातकतत्त्व - ५
 १०७ नरपतिज्ञयचयरित्तरोदय - ५
 १०८ ज्ञातकपारिज्ञात्र - ५
 १०९ वास्तुरत्नावली - ५
 ११० वृहत्पाराभारतोराषारत्न - ५
 १११ ज्ञोतिष्ठ रत्नाकर - ५
 ११२ योग - यात्रा - ५
 ११३ वर्गमाला - ५

- 118 लूहुत्तरात्म - 5
 119 समूलभक्तरन्दसारणी - 5
 120 मकरन्दप्रकाश - 5
 121 चाराभासी - 5
 122 दृग्नि भाट्टक का इमिहास - 5
 123 छानुकमात्री - 5
 124 हितोपदेश - 5
 125 लघुसिद्धान्त कौशुटी (खल) ४० (मीताप्रेस)
 126 बात चीज - बल्लभाभाई - 5
 127 समूर्ण भावेन - जम्पलाल नारायण - 5
 128 ठसेने कहा था - चन्द्रधर राम कुलेश - 5
 129 औं सदानीरा - जगदीश चन्द्र साधुर - 5
 130 खल लेख और खक पन - अगत लिंद - 5
 131 अङ्गनवीरीश्वर - शमधारी संसद फिल्म - 5
 132 शब्द - सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यामत - 5
 133 प्रगति और समाज - नामवर लिंद - 5
 134 सिपाई छाक छाकी गाँ - माईन शेकड़ा - 5
 135 दृष्टे दृष्टे तेरा अङ्कलामन - मत्यज - 5
 136 घूठन - दोल प्रनाश कालीक - 5
 137 तिरिए - उदयप्रकाश - 5
 138 दुखुल कोलादल - जमछाँकर पृथग्न - 5
 139 पुस्र विदेश - चुम्भा कुमारी चाहा - 5
 140 उमा - समरोर बदाकुर संसद - 5
 141 जन जन का चेहरा - गजानन साधवे युक्ति बोध - 5
 142 ऊधानायक - रघुवीर सदाय - 5
 143 खारे नन्हे बैरे को - विनोद कुमार - 5
 144 रघुवंश गदाकाल द्वितीय संगी - 5
 145 विष्णुनीभास् प्रथमसंगी - 5
 146 कावदीपिका सम्भूषण - 5
 147 शुभ बोध - 5
 148 लीलावती - 5
 149 देववाणीत १-५ छाद्याम - 5
 150 वीजगाणत आज्ञकर्त्त्व - 5
 151 गोल्पोद्धरणाम - 5
 152 दुर्गासंधसाती - 5
 153 शुक्लभृंग तोहना - 5
 154 यामवल्क्य संस्कृताशिक्षा - 5
 155 अन्याय मिहात पुस्तकावली - 5
 156 माधुरी पञ्चलकाणी - 5

- (157) गोरखसार = साक्षी - ५
- (158) शुद्धित चिन्हांकी - ५
- (159) नविन नीलगंधी - ५
- (160) लघुपारासी - ५
- (161) मुमुक्षुते - (गन्धीचुला वली माई) - ५
- (162) अच्छेश्वर - ५
- (163) तेजात्मार - ५
- (164) विष्णुप्रागपंडीत - ✓
- (165) पारस्कर्य गृह्य मूर्ति - ५
- (166) जन्मनुष्ठलीवि-चार - ५
- (167) व्यवहार रत्नम् - ५
- (168) व्यवहारिक ज्योतिष संविष्ट - ५
- (169) नित्यहृत्य रूपभाला - ५ ✓
- (170) ~~महात्मा गांधी~~ वर्षकृत्यम् - ✓ (दोनों भाग) - ५
- (171) संस्कृत साहित्य का इतिहास - कपिलदेव द्विबेदी - ५
- (172) ~~संस्कृत अभियंकर~~ संस्कृत साहित्य का अभियंकर इतिहास - उराधावल्लभ पिपासी - ५
- (173) प्राचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास - कलादेव उपाध्याय
- (174) संस्कृत वाङ्मय का शृङ्खला इतिहास - (संभूर्भ - १४ खण्ड) - कलादेव उपाध्याय - १
- (175) ज्योतिष शिष्टाचार मञ्च - श्री. विनय कुमार गोप्तव्य - ५
- (176) ज्योतिषिक्षादर्श - श्री. शत्रुघ्नि श्री. लिपामी - ५



ब्रज भूषण संस्कृत महाविद्यालय, खरखुरा, गया
अंगीमूत इकाई (कामेश्वर सिंह दरमंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरमंगा)
स्थापित :— 1904 ई०

दिनांक - 09. 03. 2024

पत्रांक ११/१५

कोटेशन आमन्त्रण हेतु सूचना

सेवा में

-पुस्तक, प्रकाशक/आपूर्तिकर्ता। /
.....संस्कृत एवं अन्य पुस्तकों के सभी
.....आपूर्ति कर्ता।

संलग्न सूची के अनुसार पुस्तकों का मूल्य (छूट की राशि/प्रतिशत)
अंकित करते हुए अधोहस्ताक्षरी को शीघ्र सूचित करें।

अजिल्द एवं अद्यतन संस्करण की पुस्तकों को प्राथमिकता देते हुए
सर्वाधिक छूट देनेवाले प्रकाशक/आपूर्तिकर्ता को पुस्तक आपूर्ति का आदेश दिया
जाएगा।

मवदीय

09. 03. 2024

Principal
Brajbhushan Sanskrit College
Kharkhura, Gaya